गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 09 | गोरखपुर रविवार 24 अगस्त 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

न्यूज

मथुरा में देह व्यापार के गिरोह का भंडाफोड़

एजेंसी

मथुरा जिले के कृष्णा नगर इलाके में पुलिस ने शुक्रवार को देह व्यापार

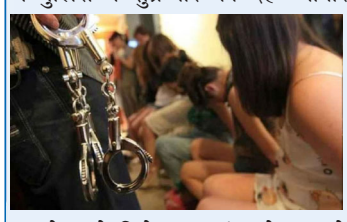

कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करने का दावा किया। पुलिस ने दो स्पा सेंटर पर छापेमारी के दौरान चार लोगों को गिरफ्तार किया तथा 15 महिलाओं को छुड़ाया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी आशना चौधरी ने बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र के दो स्पा में छापेमारी की गई। उन्होंने कहा, चार लोगों को गिरफ्तार किया गया और परिसर से 15 महिलाओं को छुड़ाया गया। मौके से मिले भौतिक साक्ष्य और रिकॉर्ड बताते हैं कि ये स्पा सेंटर अनैतिक कार्यों में संलिप्त थे। अधिकारी ने बताया कि संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

हम किसी से नहीं डरते सच बोलते हैं: तेजस्वी

एजेंसी

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर अपने खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद, राजद नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को कहा कि वह किसी भी एफआईआर से ष्डरे हुएष् नहीं हैं। उन्होंने पूछा कि क्या जुमला शब्द कहना अपराध बन गया है और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सच्चाई से डर रही है। कटिहार में पत्रकारों से बात करते हुए, यादव ने कहा कि एफआईआर से कौन डरता है? जुमला शब्द कहना भी अपराध बन गया है।

सिंधिया की सौगात स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दो एंबुलेंस समर्पित

एजेंसी

अशोकनगर/भोपाल। अपने संसदीय क्षेत्र के चार दिवसीय प्रवास के तीसरे दिन केंद्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया आज अशोकनगर जिले के ग्राम पथरिया स्थित नवीन केंद्रीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुँचे। जहाँ उन्होंने विद्यालय को अपनी ओर से 2 आरओ वाटर प्यूरीफायर, 2 कंप्यूटर सिस्टम, संगीत यंत्र, खेल सामग्री एवं पुस्तकालय के लिए किताबें भेंट कीं। इस दौरान उन्होंने यहां अध्ययनरत बच्चों और उनके अभिभावकों से भी बातचीत की। यह विद्यालय केंद्रीय मंत्री सिंधिया के अथक प्रयासों का परिणाम है।

नेशनल स्पेस डे पर बोले पीएम मोदी

हमारा अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा, शुभांशु शुक्ला की सफलता का भी किया जिक्र

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर राष्ट्र के नाम संबोधन में घोषणा की कि भारत अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने की दिशा में काम कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला के अंतरिक्ष मिशन की सफलता का जिक्र करते हुए घोषणा की कि देश जल्द ही एक अंतरिक्ष यात्री पूल बनाएगा। उन्होंने युवाओं से इस पहल में शामिल होने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत सेमी-क्रायोजेनिक इंजन और इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन जैसी अभूतपूर्व तकनीकों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। आप सभी वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत से, भारत जल्द ही गगनयान के साथ उड़ान भरेगा और आने वाले समय में भारत अपना अंतरिक्ष स्टेशन भी बनाएगा। इस वर्ष राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस श्आर्यभट्ट से गगनयानरू प्राचीन ज्ञान से अनंत

संभावनाओं तकश थीम पर मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अभी तीन दिन पहले ही मेरी मुलाकात ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से हुई। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर तिरंगा फहराकर हर भारतीय को गौरवान्वित किया। वह क्षण, वह अनुभूति जब उन्होंने मुझे तिरंगा दिखाया, शब्दों से परे है। उन्होंने आगे कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु के साथ अपनी चर्चा में, मैंने नए भारत के युवाओं के असीम साहस और अनंत सपनों को देखा है। इन सपनों को आगे बढ़ाने के लिए, हम भारत का अंतरिक्ष यात्री पूल भी तैयार करने जा रहे हैं। आज अंतरिक्ष दिवस पर, मैं अपने युवा मित्रों को भारत के सपनों को पंख देने के लिए इस अंतरिक्ष यात्री पूल में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूँ।

ई-बस खरीद में "मेड इन यूपी" को प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में ई-बसों की खरीद में "मेड इन यूपी" को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग द्वारा आगे से खरीदी जाने वाली बसें यथासंभव उत्तर प्रदेश में ही निर्मित हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम राज्य की औद्योगिक प्रगति को गति देगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ाएगा। शुक्रवार को परिवहन विभाग और उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि बस स्टेशनों के निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए, यात्रियों की सुविधा सर्वोपरि हो और सड़क सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने इलेक्ट्रिक बसों के संचालन को प्रोत्साहन देने और राजस्व वृद्धि के लिए हर संभव प्रयास करने पर बल दिया। बैठक में प्रस्तुतिकरण के दौरान बताया गया कि रोडवेज 23 बस स्टेशनों को पीपीपी मॉडल पर विश्वस्तरीय टर्मिनल के रूप में विकसित कर रहा है। दूसरे चरण में 54 अतिरिक्त बस स्टेशनों का विकास प्रस्तावित है, जबकि 50 बस स्टेशनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। यूपीएसआरटीसी 8 शहरों में इलेक्ट्रिक डिपो भी स्थापित कर रहा है, जहाँ 240 किलोवाट क्षमता के 4 से 8 यूनिवर्सल चार्जर लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने सुगम आवागमन के लिए नए रूट चिन्हित करने और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन के अवसर पर माताओं-बहनों और उनके एक सहयात्री को तीन दिन तक निःशुल्क यात्रा की सुविधा का लाभ 78 लाख से अधिक लोगों द्वारा लिए जाने पर प्रसन्नता जताई।

मेरी हत्या होती है तो सपा होगी जिम्मेदार: पूजा पाल

संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी से निष्कासित होने के कुछ दिनों बाद, चायल विधायक पूजा पाल ने पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव को एक पत्र लिखकर उन पर उन्हें बीच रास्ते में अपमानित करके और छोड़कर संगठन के भीतर आपराधिक तत्वों को मजबूत करने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे कहा कि उनका निष्कासन न केवल एक व्यक्तिगत मामला है, बल्कि राज्य के पिछड़े वर्गों, दलितों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की चिंताओं को दबाने का एक प्रयास भी है। पाल ने लिखा कि उनके स्पष्टीकरण से एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय के लोगों को यह जवाब मिल जाता कि क्या अखिलेश यादव वाकई पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों (पीडीए) के रक्षक हैं। निकाल दी गई विधायक ने अपने एक्स अकाउंट पर अखिलेश यादव को संबोधित पत्र साझा करते हुए लिखा कि अन्याय और विश्वासघात के खिलाफ मेरी आवाज! पार्टी से निष्कासन सिर्फ मेरे बारे में नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश के पिछड़ों, दलितों और गरीबों की आवाज को दबाने की कोशिश है। मैंने न्याय की लड़ाई लड़ी है और लड़ती रहूँगी। पूजा पाल ने आगे कहा कि वह सपा में इसलिए शामिल हुईं क्योंकि उनका मानना है कि यह पिछड़े समुदाय को न्याय दिला सकती है।

शिक्षकों को सम्मानजनक पारिश्रमिक न देने से देश में ज्ञान का महत्व घट जाता है: न्यायालय

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि शिक्षकों को सम्मानजनक पारिश्रमिक नहीं देने से देश में ज्ञान का महत्व घट जाता है और बौद्धिक पूंजी निर्माण का दायित्व जिन लोगों को सौंपा गया है, उनकी प्रेरणा कमतर हो जाती है। न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने शिक्षाविदों, व्याख्याताओं और प्राध्यापकों को किसी भी राष्ट्र की बौद्धिक रीढ़ करार दिया, जो भविष्य की पीढ़ियों के मन और चरित्र को आकार देने में अपना जीवन समर्पित कर देते हैं। समान कार्य के लिए समान वेतन के सिद्धांतों को लागू करते हुए, पीठ ने निर्देश दिया कि गुजरात में संविदा पर नियुक्त कुछ सहायक प्राध्यापक स्वीकार्य न्यूनतम वेतनमान के हकदार होंगे। पीठ ने गुजरात उच्च न्यायालय के दो निर्णयों के खिलाफ दायर अपील पर अपना फैसला सुनाया, जिनमें समान कार्य करने वाले सहायक प्राध्यापक के साथ वेतन में समानता का दावा भी शामिल था।

उपराष्ट्रपति चुनाव के बाद भाजपा को मिल सकता है नया राष्ट्रीय अध्यक्ष

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के उम्मीदवार के नाम पर अंतिम निर्णय लेने के करीब पहुँच रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेताओं और संभावित उम्मीदवारों के साथ गहन विचार-विमर्श कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के बाद और बिहार विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से पहले इसकी औपचारिक घोषणा कर सकती है। एक रिपोर्ट के अनुसार, कई कारणों से विलंबित चयन अब लगभग पूरा होने वाला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं और उसके वैचारिक मूल संगठन, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने नामों के लिए सुझाव मांगने के लिए लगभग 100 प्रमुख हस्तियों से संपर्क किया है। परामर्श में पूर्व भाजपा अध्यक्ष, वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री और भाजपा या आरएसएस से जुड़े ऐसे नेता शामिल हैं, जो पहले प्रमुख संवैधानिक पदों पर रह चुके हैं।

सम्पादकीय...

महामारी मोटापे की

देश में जिस तेजी से मोटापा और उससे जनित रोगों का दायरा बढ़ा है, उससे यह एक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात जैसी स्थिति बनती जा रही है। जिससे मोटापा जनित गैर संक्रामक रोगों में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। एक हालिया अध्ययन में इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च व विश्व स्वास्थ्य संगठन ने खुलासा किया है कि साल 2025 तक भारत की वयस्क आबादी में मोटापे की दर 20 से 23 फीसदी तक जा पहुंची है। जबकि वर्ष 1990 में देश यह दर महज नौ से दस प्रतिशत ही थी। चिंता की बात यह है कि महज तीन दशक में मोटापा बढ़ने की यह दर दो गुना हो चुकी है। यही वजह है कि शहरों में आजकल हर चौथा व्यक्ति मोटापे का शिकार दिखायी देता है। दरअसल, देश में जैसे-जैसे आर्थिक समृद्धि आई तो हमारी खान-पान की आदतों में बदलाव आया है। हमारे भोजन में डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, अधिक शूगर वाले पेय पदार्थ और युवाओं में जंक फूड का उपभोग तेजी से बढ़ा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि खाद्य तेलों का उपयोग भी बहुत तेज गति से बढ़ा है। आर्थिक विकास से समृद्धि आई तो हमारा खानपान समृद्ध हुआ,लेकिन वहीं शारीरिक निष्क्रियता भी बढ़ी है। दरअसल, खाद्य तेलों का बेतहाशा उपयोग भी मोटापे की वजह बना है। देश में नब्बे के दशक में जहां प्रति व्यक्ति तेल की औसतन खपत साढ़े तीन से चार लीटर थी, जो अब करीब बीस लीटर सालाना हो गई है। यानी चिंताजनक स्थिति तक पहुंचकर पांच गुना हो गई है। अब मोटापे की समस्या से शहर ही नहीं, ग्रामीण जीवन भी प्रभावित हो रहा है। बीती सदी में ऐसा देखने में नहीं आता है। दरअसल, इस सदी की शुरूआत में आई आर्थिक समृद्धि ने न केवल हमारी खानपान की आदतें बदली, बल्कि वाहनों के अधिक उपयोग व आरामदायक जीवनशैली ने हमारी शारीरिक सक्रियता भी कम कर दी। जो मोटापे की एक बड़ी वजह बना। देश में मोटापे की समस्या किस हद तक पहुंच चुकी है और उससे गैर संक्रामक रोग कितनी तेजी से बढ़ रहे हैं, उसको लेकर कई सार्वजनिक मंचों से प्रधानमंत्री देश को संबोधित कर चुके हैं। स्वतंत्रता दिवस पर उन्होंने देश में गति पकड़ते मोटापे पर गंभीर चिंता जतायी। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर भी वे मोटापे से मुक्त जीवन के लिये लाइफ स्टाइल में बदलाव की बात कह चुके हैं। उन्होंने खाद्य तेलों के उपयोग में कमी लाने की भी बात कही। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी कह चुका है कि पांच-छह सौ एमएल से अधिक खाद्य तेल का सेवन मोटापे, उच्च रक्तचाप, दिल के रोग और डायबिटीज के खतरे को बढ़ा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कह रहे हैं कि खानपान की आदतों में सुधार और शारीरिक सक्रियता बढ़ाने से हम मोटापा कम कर सकते हैं। नियमित व्यायाम व योग-प्राणायाम इसमें खासे मददगार हैं। यहां संकट हमारी जीवन शैली में आये बदलावों का भी है, जिसमें हम देर रात को अधिक गरिष्ठ भोजन करते हैं। देर से सोना और देर से जागना अब आम बात हो चली है। तेजी से होते शहरीकरण, आफिसों में देर तक काम करने, शारीरिक सक्रियता में कमी तथा देर रात तक सोशल मीडिया में उलझे रहने से भी नींद की कमी ने जीवन में तनाव को बढ़ाया है। यह तनाव हमारी खानपान की आदतों को बुरी तरह प्रभावित करके मोटापे को बढ़ाता है। यही वजह है कि एक बहुचर्चित मेडिकल पत्रिका ने चेताया है।

राशिफल

मेषः- आज का दिन शुभ और फलदायी होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह है। यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है। महिला के साथ विवाद में न उतरें।

वृषभः- मन को स्थिर रखने की सलाह गणेशजी देते हैं, क्योंकि अर्निणय की मनोदशा से अवसर गवां सकते हैं। प्रवास का आयोजन टाल दें। नए कार्य प्रारंभ न करें।

मिथुनः- लक्ष्मीजी की कृपा से दिन लाभदायी होगा। उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्र व अपनों के साथ से दिन आनंददायी होगा। धन अधिक व्यय न करें।

कर्कः- कोई भी महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। संबंधियों से मनमुटाव हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचें।

सिंहः- आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ और पर्यटन की संभावना है। हाथ आया अवसर जा सकता है, इसलिए निर्णय टाल दें। व्यापार एवं आर्थिक लाभ के योग हैं।

कन्याः- आज दिन शुभ है। नए कार्य संपन्न होंगे। व्यापारी व नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापार में लाभ व नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। पिता से लाभ होगा।

तुलाः- व्यावसाय में लाभ की संभावना है ऐसा गणेशजी कहते हैं। नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा का आयोजन हो सकता है। अस्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिकः- आज शांति व सावधानीपूर्वक रूप से रहने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता के योग हैं। क्रोध पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहें।

धनुः- आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सहवास का आनंद मिलेगा। प्रवास, पर्यटन होगा। लेखनकार्य के दिन अनुकूल है। साझेदारी से लाभ होगा।

मकरः- व्यापार में विकास के लिए आज का दिन लाभकारी रहेगा। धन के लेनदेन में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा।

कुंभः- आप की वाणी व विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में शामिल होंगे। आकस्मिक खर्च की आशंका है। पाचन न होने जैसी बीमारियों से परेशान होंगे।

मीनः- गणेशजी कहते हैं कि आप में उत्साह व स्फूर्ति की कमी होगी। परिजनों के साथ विवाद न करें।

विद्यार्थी से आरोपी बनते बच्चे

के रवींद्रन

बीते चार-पांच दिनों में अलग-अलग प्रांतों की स्कूलों में हत्या या हत्या की कोशिश के तीन मामले सामने आए हैं। संयोग है कि तीनों ही मामले भाजपाशासित राज्यों के हैं। गुजरात में आठवीं कक्षा के एक बच्चे ने दसवीं में पढ़ने वाले छात्र की चाकू मारकर हत्या कर दी, वह भी स्कूल परिसर में ही। आरोपी बच्चे की अपने एक दोस्त से सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर हुई बातचीत भी अब सामने आई है, जिसमें दोस्त पूछ रहा है कि आज स्कूल में जो हुआ वो सच है क्या और आरोपी छात्र कह रहा है कि हां। मृतक बच्चे से आरोपी की क्या रंजिश थी, इसका खुलासा अभी नहीं हुआ है, लेकिन चौट के अनुसार मृतक बच्चे ने आरोपी से कहा था तू कौन है, क्या कर लेगा। इस चौट से यही समझ आता है कि आरोपी बच्चे ने केवल यह बताने के लिए चाकू मार दिया क्योंकि उसके अहं को चुनौती दी गई थी। इस बड़ी घटना के बाद अभिभावकों का परेशान और नाराज होना स्वाभाविक था। अहमदाबाद के एक निजी स्कूल में हुई इस वारदात के बाद अभिभावकों ने विरोध प्रदर्शन तो किया ही, कुछ हिंदूवादी संगठन भी इसमें शामिल हो गए और तोड़फोड़ को अंजाम दिया। मृत छात्र के शव को सड़क पर रखकर चक्का जाम की कोशिश भी की गई। क्योंकि खबरों के मुताबिक आरोपी छात्र अल्पसंख्यक समुदाय से है। कई अखबारों और चौनलों में इसी तरह खबर दिखाई गई है। इससे समझ आता है कि अपने नौनिहालों को मौत के मुंह में धकेल कर भी समाज होश में नहीं आ रहा है। दूसरी घटना उत्तरप्रदेश की है, यहां गाजीपुर के एक स्कूल में छात्रों के दो गुटों के बीच किसी बात पर झगड़ा हुआ, जिसमें 10वीं कक्षा के छात्र को चाकू मारकर उसकी जान ले ली गई। वहीं दो अन्य छात्र घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक 14 तारीख को छात्रों का किसी बात पर विवाद हुआ था, फिर 15 और 16 को अवकाश था, लेकिन 17 तारीख को जब स्कूल खुला तो दोनों गुटों के बीच मारपीट हुई, जिसमें एक छात्र की जान ले ली गई। सबसे अच्छे ऑनलाइन कोर्स तीसरी घटना उत्तराखंड की है, इसमें नवमी कक्षा के छात्र ने अपने शिक्षक पर ही गोली चला दी। आरोपी छात्र तमंचे को लंच बॉक्स में छिपा कर लाया था। जब उसके शिक्षक पढ़ा रहे थे, तो उसने कहा सर इधर सुनिए और जैसे ही शिक्षक मुड़े, उसने गोली चला दी। फिलहाल शिक्षक का इलाज अस्पताल में चल रहा है। बताया जा रहा है कि शिक्षक ने कुछ दिन पहले सही जवाब देने के बावजूद छात्र को थप्पड़ मार दिया था, जिस वजह से वह बदला लेना चाहता था। इन तीनों घटनाओं के कारण भले अलग हैं, लेकिन इनकी हिंसक प्रवृत्ति समाज के लिए ऐसा अलार्म है, जिसे अब नहीं सुना गया तो फिर बहुत देर हो जाएगी। बल्कि ऐसा लग रहा है कि देर हो चुकी है और हम अब भी नहीं जाग रहे हैं। शायद उदय प्रकाश जी की लिखी एक पंक्ति है कि-चौन से सोना है, तो जाग जाओ। अब वाकई जागने का वक्त आ गया है। हिंसा मनुष्य की आदिम प्रवृत्ति है, लेकिन सभ्य समाज में संयम और नियम से रहकर मनुष्य अपनी इस प्रवृत्ति को वश में रखता है। सरकारें कानून बनाती हैं, अदालतें उन कानूनों के उल्लंघन पर सजा देती हैं, लेकिन इनके बीच कानून का पालन तो समाज की ही जिम्मेदारी है। ऐसा नहीं है कि बच्चों में मारपीट या विवाद पहले नहीं हुआ करते थे। बच्चे तो हमेशा से ही लड़ते-झगड़ते और फिर मिलकर साथ रहना जानते हैं। किशोरावस्था आते-आते जो मानसिक, शारीरिक परिवर्तन होते

हैं, उस वजह से उनके आचरण में तब्दीलियां आती हैं। ऊर्जा अपने चरम पर होती है और उसे सही दिशा नहीं मिलती तो वह गलत तरीकों की तरफ मुड़ जाती है। इसलिए स्कूलों में अनुशासन पर जोर दिया जाता है और घर पर भी मां-बाप या अन्य बड़े व अनुभवी लोगों के मार्गदर्शन व दोस्ताना व्यवहार की जरूरत 14-15 साल के बच्चों को होती है। लेकिन बीते कुछ दशकों में जीवनशैली में बहुत बदलाव आ गए हैं। अब घरों पर आपसी चर्चा का वक्त अमूमन कम हो गया है और उनकी जगह टीवी या स्मार्टफोन्स ने ले ली है। सब अपने-अपने में व्यस्त रहने लगे हैं, ऐसे में अगर बच्चे के व्यवहार में कोई परिवर्तन होता भी है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाता। जरूरतों और महंगाई के बढ़ने के कारण अक्सर मां-बाप दोनों काम पर होते हैं, ऐसे में बच्चों का अकेलापन और बढ़ जाता है। ये तो सामान्य सामाजिक समस्याएं हैं ही, जिन पर अनेक बार विमर्श होते हैं। लेकिन इनके साथ अब जिस तरह के टीवी कार्यक्रमों को बच्चे आसानी से देख रहे हैं या सोशल मीडिया की सामग्री उनकी मानसिक अवस्था पर जो असर डाल रही है, उस पर भी गंभीरता से सोचने की जरूरत है।

कुछ खास...

जहां मिलती हैं प्रकृति और सौभाग्य की देवियां

नेपाल, भारत का पड़ोसी देश, बिना पासपोर्ट की विदेशी सैर का शानदार विकल्प है। हिमालय की गोद में बसा यह देश अपने प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक धरोहर, तीर्थस्थलों और ऐतिहासिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। काठमांडो, पोखरा और नागरकोट जैसे शहर इसकी पहचान हैं। यहां हर मौसम में घूमने का अलग ही आनंद है। नेपाल और उसकी राजधानी काठमांडो भारतीय पर्यटकों के दिल से जुड़ा है। एक तो पड़ोसी देश है, और दूसरा, नेपाल के अलावा बिना पासपोर्ट विदेश की सैर किसी और देश में मुमकिन नहीं है। यानी नेपाल जाने-आने के लिए भारतीय पासपोर्ट की जरूरत नहीं पड़ती। हालांकि, अपनी पहचान के तौर पर पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार वगैरह में से कोई एक डॉक्यूमेंट ले कर जाना पड़ता है। नेपाल हिमालय की ऊंचे-ऊंचे शिखरों का देश है। खास बात है कि समुद्र तल से 8000 मीटर ऊंचे दुनिया के 14 शिखरों में से 8 नेपाल में ही हैं। देश छोटा है तो राजधानी भी छोटी-सी ही है। काठमांडो 20 किलोमीटर चौड़े और 25 किलोमीटर लम्बे इलाके में फैला है। सड़कों पर इलेक्ट्रिक ट्रॉली, बस, टैक्सी, ऑटो और रिक्शा चलते हैं। ट्रेन है ही नहीं। चोरी-चकारी और जेबकतरों का कोई भय नहीं है। गांवों के घरों में आज भी कुंडी-चिटकनी लगाने का इंतजाम ही नहीं है। काठमांडो के आसपास के कस्बों के घरों के खिड़की-दरवाजे देखने लायक हैं। गजब की बारीक नक्काशी दंग करती है। पाटान और भक्तपुर नाम के पुराने शहरों के मकानों की बनावट-निर्माण शैली खासतौर से लुभाती है। बताते हैं कि नेपाल की धरती पर ढाई हजार साल पहले भगवान बुद्ध ने जन्म लिया था। भगवान बुद्ध का जन्म 623 ईसा पूर्व में दक्षिणी नेपाल के तराई मैदानों में स्थित लुम्बिनी में हुआ था। इसका प्रमाण मौर्य सम्राट अशोक द्वारा 249 ईसा पूर्व में स्थापित स्तंभ पर अंकित शिलालेख से मिलता है। पौराणिक ग्रंथों के मुताबिक प्राचीन काल में नेपाल पर गोपाल, अमीर और किरानों का शासन रहा। नौवीं सदी तक लिच्छिवियों ने राज किया। आगे 12वीं सदी तक मल्लवंश का राज रहा। मल्लवंश के आखिरी शासक यक्षमाला के निधन के बाद नेपाल तीन स्वतंत्र राज्योंकृकाठमांडो, भक्तपुर और ललितपुर में बंट गया। सन 1769 में, राजा पृथ्वी नारायण शाह ने नेपाल को एक करके शाह वंश की स्थापना की। आज लोकतंत्र है। नेपाल में क्या नहीं है? कुदरती नजारे हैं, सुहावना मौसम है, तीर्थ है, राज दरबार है, पार्लियामेंट है, विदेशी सामान से अटे बाजार हैं, पंचतारा होटल हैं और रात-रात भर चलते कसीनो हैं। नेपाल कसीनो का पुराना अड्डा है। सभी कसीनो 24 घंटे खुलते हैं। कसीनो का नारा हैकृनेपाल वेअर मदर नेचर एंड लेडी लक मीट। यानी प्रकृति की देवी और सौभाग्य की देवी के मिलन का देश है। नेपालियों को कसीनो में खेलने की सख्त मनाही हैं। केवल विदेशी ही कसीनो में जुआ खेल सकते हैं। बहादुर शाह मार्ग, पृथ्वी नारायण मार्ग, भख्तापुर वगैरह साफ-सुथरे इलाकों के बीच काठमांडो की सबसे खूबसूरत सड़क दरबार मार्ग है। शान दिल्ली के कर्तव्य पथ (पुराना नाम राजपथ) जैसी है, लेकिन कर्तव्य पथ के इर्द-गिर्द बाग-बगीचे हैं, जबकि दरबार मार्ग पर होटल, रेस्तरां, शोरूम और ऑफिस हैं। दरबार मार्ग के बीचोंबीच एकदम सामने राज दरबार है। न्यू रोड स्थित विशाल बाजार नाम की सुपर मार्केट में खरीदारों के दीवानों का रश रहता है। यहां चीन, जापान, ताइवान, कोरिया वगैरह देशों का सामान जो मिलता है। काठमांडो में 400 साल पुरानी लोककला की वस्तुएं भी खूब बिकती हैं। प्राचीन कलाकृतियां, हथबुने गलीचे, खुखरी, गोरखा चाकू, मुखौटे और शालें नेपाल की खासमखास सौगातें हैं। तमाम नेपाली सौगातें आलीशान शोरूमों से लेकर पटरी बाजारों तक पर मिलती हैं। वहां इतवार की बजाय हर शनिवार साप्ताहिक अवकाश होता है। यानी तमाम स्कूल, कॉलेज और सरकारी-प्राइवेट दफ्तर शनि के शनि छुट्टी करते हैं।

नोरा फतेही ने का पहला लुक किया जारी

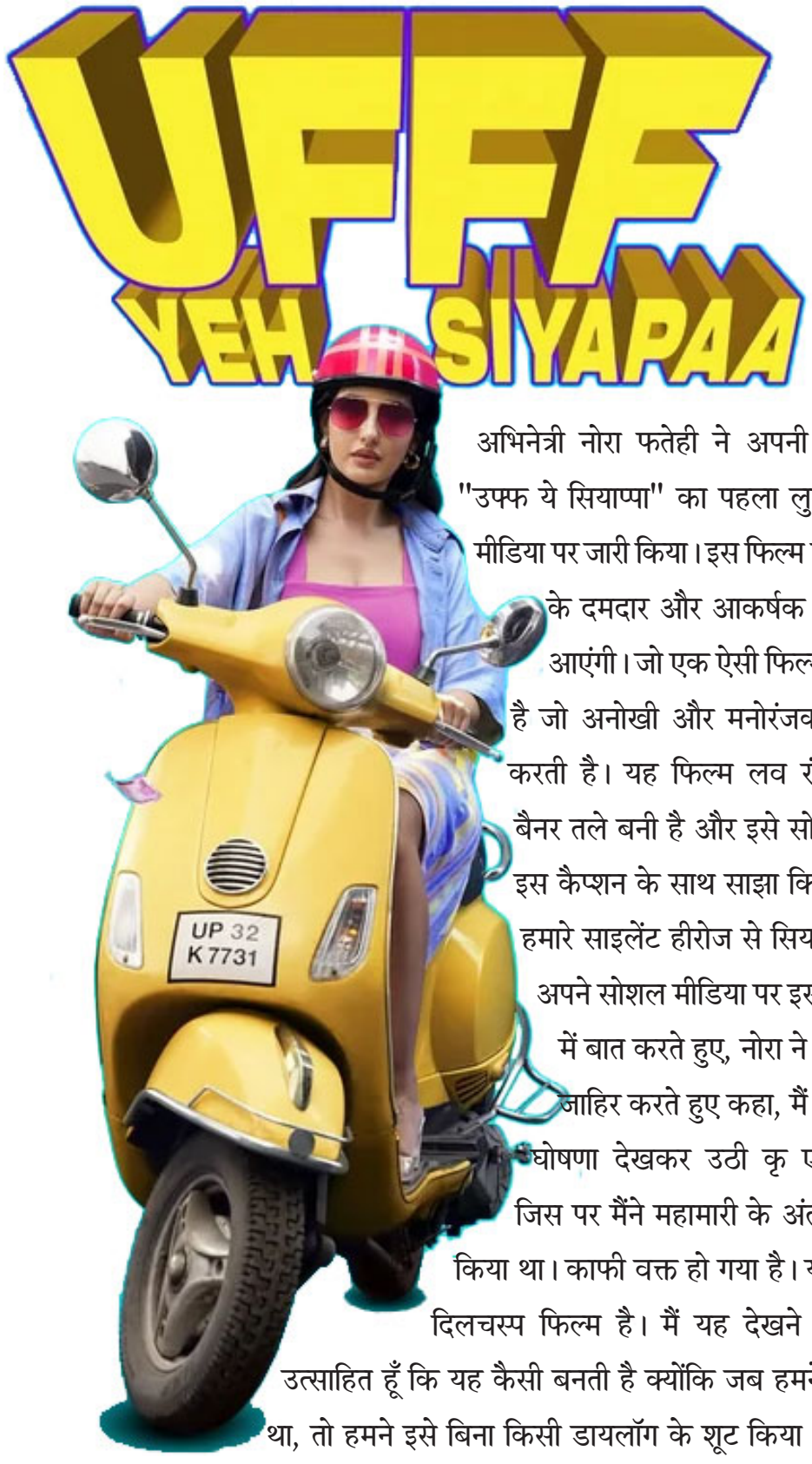

अभिनेत्री नोरा फतेही ने अपनी आगामी फिल्म "उफ्फ ये सियाप्पा" का पहला लुक आज सोशल मीडिया पर जारी किया। इस फिल्म में नोरा "कामिनी: के दमदार और आकर्षक किरदार में नजर आएंगी। जो एक ऐसी फिल्म की नींव रखता है जो अनोखी और मनोरंजक होने का वादा करती है। यह फिल्म लव रंजन फिल्म्स के बैनर तले बनी है और इसे सोशल मीडिया पर इस कैप्शन के साथ साझा किया गया, मिलिए हमारे साइलेंट हीरोज से सियाप्पा हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए, नोरा ने अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा, मैं सुबह श्न्थ्श्र की घोषणा देखकर उठी कृ एक ऐसी फिल्म जिस पर मैंने महामारी के अंत के समय काम किया था। काफी वक्त हो गया है। यह एक बहुत ही दिलचस्प फिल्म है। मैं यह देखने के लिए वाकई उत्साहित हूँ कि यह कैसी बनती है क्योंकि जब हमने इसे शूट किया था, तो हमने इसे बिना किसी डायलॉग के शूट किया था। तो यह एक बहुत ही भावपूर्ण फिल्म है। और यह बहुत ही अभिव्यक्तिपूर्ण फिल्म है। इसमें बेहतरीन कलाकारों की टीम है, कुछ शानदार अभिनेता हैं। उन्होंने आगे कहा, मैंने इसकी शूटिंग के दौरान बहुत मजा किया। यह एक कॉमेडी फिल्म है कृ और आप जानते हैं, मुझे कॉमेडी बहुत पसंद है। इस फिल्म में मेरा किरदार भी बहुत कूल है। मैं इसे देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। क्या आपने तारीख नोट कर ली है? अभिनेत्री ने फिल्म की एक खास बात पर जोर देते हुए कहा मुझे एक बेहद महत्वपूर्ण और रोमांचक बात जरूर जोड़नी है कृ इस फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर और संगीत ए.आर. रहमान ने तैयार किया है। वे एक दिग्गज हैं, एक आइकॉन हैं। उनकी धुनें ही फिल्म की कहानी और स्क्रीनप्ले को आगे ले जाएंगी। इसलिए मुझे लगता है कि यह बहुत ही शानदार होने वाला है। और हाँ, आप जानते ही हैं, वह इसमें अपना जादू जरूर बिखेरेंगे। जैसे-जैसे उफ्फ ये सियाप्पा रिलीज के करीब आ रही है, नौरा फतेही का करियर और भी ऊँचाइयों को छू रहा है। इसके पहले वह बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी कंचना 4 में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। और आने वाले कई प्रोजेक्ट्स के साथ उनकी स्टार पावर और भी दमदार होती जा रही है।

विवेक रंजन अग्निहोत्री की द बंगाल फाइल्स की शांतिपूर्ण स्क्रीनिंग की मांग

विवेक रंजन अग्निहोत्री की द बंगाल फाइल्स इस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक बनती जा रही है। 16 अगस्त 1946 को कोलकाता में हुए डायरेक्ट एक्शन डे की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म, निर्देशक की सच सामने लाने वाली चर्चित ट्रिलॉजी का आखिरी कड़ी है, जिसमें द ताशकंद फाइल्स और द कश्मीर फाइल्स शामिल हैं। जहां इसका दमदार टीजर दर्शकों को निडर कहानी की पहली झलक दिखा चुका है, वहीं कोलकाता में हुए ट्रेलर लॉन्च ने उत्सुकता को और बढ़ा दिया। इस फिल्म ने देशभर में चर्चा छेड़ दी है और

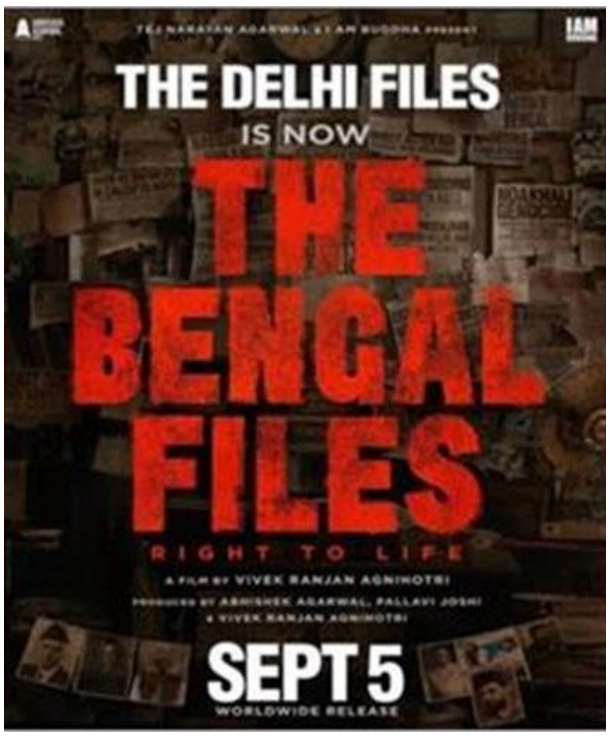

हर जगह इसकी बात हो रही है। फिल्म को चारों ओर से मिल रहे प्यार और समर्थन के बीच, अब बंगाली सुपरस्टार विक्टर बनर्जी ने भी इसका समर्थन किया है। उन्होंने भारत के राष्ट्रपति से अपील की है कि फिल्म की स्क्रीनिंग शांतिपूर्ण तरीके से होने दी जाए। फिल्ममेकर विवेक रंजन अग्निहोत्री ने कहा, "जैसा कि आप जानते हैं, फिल्म द बंगाल फाइल्स की स्क्रीनिंग 5 सितंबर 2025 को होने वाली है। यह फिल्म बंगाल और भारत के इतिहास के एक काले और दर्दनाक अध्याय को सामने लाने की एक साहसी कोशिश है। लेकिन चिंता की बात यह है कि कोलकाता में ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान फिल्म का ट्रेलर जबरदस्ती और गैरकानूनी तरीके से रोक दिया गया। इस पर चिंता जताते हुए बंगाली सुपरस्टार विक्टर बनर्जी ने कहा, "हमें लगता है कि पश्चिम बंगाल में होने वाली इस फिल्म की स्क्रीनिंग को भी जानबूझकर रोका या दबाया जा सकता है। ऐसे कदम न सिर्फ कला की आजादी छीनते हैं बल्कि लोगों को सच जानने और अपनी सोच रखने के अधिकार से भी दूर करते हैं। इसलिए हम भारत की माननीय राष्ट्रपति से अपील करते हैं कि फिल्म की स्क्रीनिंग बिना किसी डर या रुकावट के शांतिपूर्वक हो और कलाकारों व दर्शकों के अधिकार सुरक्षित रहें। द बंगाल फाइल्स को विवेक रंजन अग्निहोत्री ने लिखा और डायरेक्ट किया है। इसे अभिषेक अग्रवाल, पल्लवी जोशी और विवेक रंजन अग्निहोत्री ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी, अनुपम खेर और दर्शन कुमार जैसे कलाकार हैं। यह फिल्म तेज नारायण अग्रवाल और आई एम बुद्धा प्रोडक्शंस द्वारा पेश की गई है। यह विवेक अग्निहोत्री की फाइल्स ट्रायोलॉजी का हिस्सा है, जिसमें द कश्मीर फाइल्स और द ताशकंद फाइल्स भी शामिल हैं। यह फिल्म 5 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बाइक में हुई ऐसी टक्कर, फंसकर चकरी की तरह लगी घूमने, देखकर घूमा लोगों का सिर, बोले- सैयारा का साइड इफेक्ट है

चलती सड़क पर एक्सीडेंट तो बहुत देखें होंगे लेकिन ऐसा एक्सीडेंट शायद ही आपने कभी अपनी जिंदगी में देखा हो। यह एक्सीडेंट नहीं बल्कि दो वाहनों के बीच श्प्यार का रिश्ता सरीखा लग रहा है यह हम नहीं बल्कि

एक्सीडेंट के इस वायरल वीडियो पर लोग कह रहे हैं। जहां सड़क हादसे लोगों की जान ले लेते हैं वहां इस एक्सीडेंट ने लोगों को हंसने पर मजबूर कर दिया है। दो बाइक के बीच सड़क पर ऐसी टक्कर एक ऐसे चक्कर में फंस गई कि देखने वालों का भी सिर घूम गया। वीडियो में बीच सड़क दो बाइक की टक्कर के बाद दोनों वाहन एक-दूजे से ऐसे पकड़ बना लेते हैं कि छूटने का नाम ही नहीं लेते हैं। हैरानी वाली बात तो यह है कि दोनों गाड़ियां एक-दूजे से लिपटी इतनी तेजी से सड़क पर चक्कर खा रही हैं कि रुकने का नाम नहीं ले रही है। वहीं इन गाड़ियों की वजह से सड़क पर भारी जाम लग गया और लोग इस मजेदार नजारे का लुत्फ उठाते नजर आ रहे हैं वीडियो को शेयर करने वाले यूजर ने इसके कैप्शन में लिखा है, सैयारा मूवी साइड इफेक्ट।

परिवार में पहले से किसी को है अस्थमा तो जान लीजिए ये जरूरी बातें, वरना आप भी हो जाएंगे शिकार

भारत में एक लाख से अधिक बच्चों पर किए गए अध्ययन में शोधकताओं ने पाया कि अगर आपके परिवार में पहले से किसी को अस्थमा है तो बच्चों को आइसक्रीम, दही, केले जैसे खाद्य पदार्थों से अस्थमा होने का खतरा बढ़ जाता है।

आजकल सांस से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं और इनमें सबसे ज्यादा चर्चा अस्थमा की होती है। खासकर बच्चों में यह बीमारी बड़ी परेशानी का कारण बन सकती है। अस्थमा दरअसल फेफड़ों की एक क्रॉनिक (लंबे समय तक रहने वाली) बीमारी है, जिसमें सांस की नलियों में सूजन और सिकुड़न आ जाती है। इसकी वजह बलगम बनता है और सांस लेने में कठिनाई, खांसी, सीने में जकड़न और घरघराहट जैसे लक्षण होते हैं। शोध बताते हैं कि अस्थमा का सीधा संबंध हमारे वातावरण और जीवनशैली से है। बढ़ते प्रदूषण, धूल-धुआं, सिगरेट का धुआं और एलर्जी इसके बड़े कारण हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार दुनिया में करीब 26 करोड़ लोग अस्थमा से पीड़ित हैं और हर साल लाखों नई केस सामने आते हैं। साल 2023 के आंकड़ों के अनुसार भारत में 3.5 करोड़ लोग अस्थमा से पीड़ित थे, जो इस रोग के वैश्विक मामलों का लगग 12.9% था। अस्थमा का अभी कोई स्थाई इलाज नहीं है, लेकिन सही देखभाल और समय पर इलाज से इसे कंट्रोल किया जा सकता है। इसी से संबंधित एक अध्ययन में पाया गया है कि जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को अस्थमा रहा है उन्हें अपने खान-पान को लेकर विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

बच्चों में अस्थमा का खतरा

भारत में एक लाख से अधिक बच्चों पर किए गए अध्ययन में शोधकताओं ने पाया कि अगर आपके परिवार में पहले से किसी को अस्थमा है तो बच्चों को आइसक्रीम, दही, केले जैसे खाद्य पदार्थों से अस्थमा होने का खतरा बढ़ जाता है।अस्थमा के कारणों को समझने के लिए स्कूल आधारित नेशनल स्टडी में ये चौंकाने वाली बात सामने आई है। हालांकि पहले भी घर के लोग इस तरह की ठंडी तासीर वाली चीजों को खाने से रोकते थे, अब मेडिकल साइंस ने भी इसकी पुष्टि कर दी है।

अध्ययन में क्या पता चला?

देशभर में दिल्ली, चंडीगढ़, जयपुर सहित नौ प्रमुख केंद्रों में ये अध्ययन किया गया। प्रमुख शोधकर्ता डॉ. निष्ठा सिंह कहती हैं कि किशोरों में दही, आइसक्रीम, केले और पैक स्नैक्स का सेवन लक्षणों को बढ़ा रहा है। दही और आइसक्रीम ठंडी प्रकृति के होते हैं। ठंडे पदार्थ श्वसन तंत्र की नलिकाओं में सिकुड़न (ब्रॉन्कोस्पाज्म) ला सकते हैं, जिससे गले और श्वसन मार्ग में बलगम गाढ़ा हो सकता है, जो पहले से संकीर्ण वायुमार्ग में रुकावट बढ़ाता है।चूंकि अस्थमा का खतरा आमतौर पर परिवारों में चलता है यानी कि यदि माता-पिता में से कोई अस्थमा से पीड़ित हो तो बच्चों में इस रोग के विकसित होने की संभावना काफी बढ़ जाती है। इसलिए पहले से ही ऐसे बच्चों के खानपान को लेकर अलर्ट रहना जरूरी है।

पर्यावरणीय स्थितियों को लेकर भी बरतें सावधानी

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, खान-पान में इस तरह की गड़बड़ी के अलावा पर्यावरण से संबंधित फैक्टर्स भी अस्थमा को ट्रिगर करने वाले हो सकते हैं। घरों में सीलन और फफूंदी, लकड़ी का धुंआ, मिट्टी का तेल और कोयला जैसे बायोमास ईंधन, मच्छर भगाने वाली कॉइल और यातायात से होने वाला प्रदूषण भी अस्थमा को ट्रिगर करने वाला हो सकता है।जिन लोगों को पहले से अस्थमा है या जिनमें इसका खतरा हो सकता है, ऐसे लोगों को इन कारकों से भी बचाव करते रहना चाहिए।

मेकअप से अस्थमा का खतरा

अस्थमा के बढ़ते मामलों के बारे में समझने के लिए हाल ही में किए गए एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों की टीम ने बताया है कि नियमित रूप से मेकअप करने से वयस्कता में अस्थमा होने का खतरा बढ़ सकता है। शोध में लिपस्टिक, आईशैडो और मस्कारा जैसे उत्पादों का इस्तेमाल करने वालों में श्वसन से संबंधित क्रॉनिक समस्याओं के खतरे को लेकर अलर्ट किया गया है। हफ्ते में पांच या उससे ज्यादा बार ब्लश और लिपस्टिक लगाने से यह खतरा 18 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। इसलिए अगर आप भी खूब सारा मेकअप करने की शौकीन हैं तो इन जोखिमों के बारे में जरूर जानना चाहिए।

वजन घटाने का ट्रेंड बन सकता है हार्ट अटैक की वजह, अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा

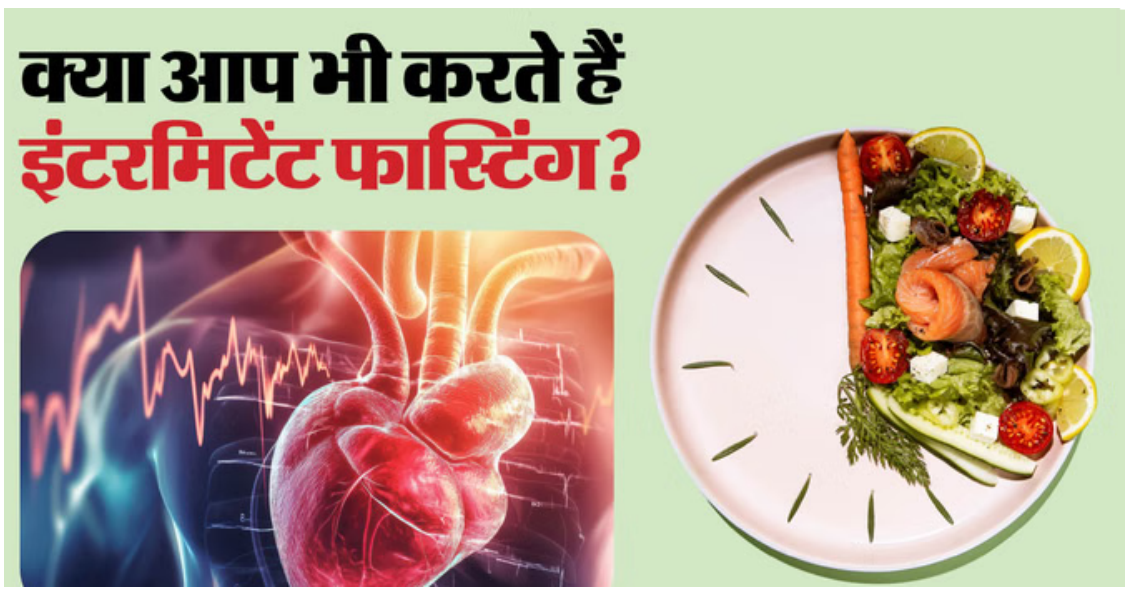

जहां कुछ शोध बताते हैं कि इंटरमिटेंट फास्टिंग जैसे डाइट प्लान आपकी सेहत में बेहतर सुधार करने में मददगार हैं, वहीं कुछ रिपोर्ट्स में ये भी चेतावनी दी गई है कि लंबे समय तक इंटरमिटेंट फास्टिंग करने से हृदय रोग और अचानक मौत का खतरा बढ़ सकता है।

दुनियाभर में कई प्रकार की क्रॉनिक बीमारियों का खतरा बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी, मोटापा और सेंडेंटरी लाइफस्टाइल को इसका प्रमुख कारण माना जाता है। शोध बताते हैं, अगर हम सिर्फ अपने आहार में ही सुधार कर लें तो इससे बीमारियों के जोखिमों को काफी हद तक कम करने में मदद मिल सकती है।यही कारण है कि आजकल इंटरमिटेंट फास्टिंग, फिटनेस और वजन घटाने का सबसे ट्रेंडिंग तरीका बन गया है। लोग इसे 'जादुई डाइट प्लान' मानकर अपनाने लगे हैं। अध्ययन भी कहते हैं कि इससे न सिर्फ वजन कंट्रोल होता है बल्कि ब्लड शुगर, मेटाबॉलिज्म और दिमाग की सेहत पर भी बेहतर असर देखा गया है।लेकिन हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। जहां कुछ शोध बताते हैं कि इंटरमिटेंट फास्टिंग जैसे डाइट प्लान आपकी सेहत में बेहतर सुधार करने में मददगार हैं, वहीं कुछ रिपोर्ट्स में ये भी चेतावनी दी गई है कि लंबे समय तक इंटरमिटेंट फास्टिंग करने से हृदय रोग और अचानक मौत का खतरा भी बढ़ सकता है।मतलब साफ है कि इंटरमिटेंट फास्टिंग के लाभ जरूर हैं पर हर किसी के लिए ये एक जैसा फायदेमंद नहीं है। अगर आप भी इस तरह की डाइट का पालन कर रहे हैं तो ये रिपोर्ट आपके बड़े काम की है।

इंटरमिटेंट फास्टिंग को लेकर रही है काफी चर्चा

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन ने एक अध्ययन की रिपोर्ट में बताया कि बिना अपनी सेहत के बारे में जाने, लोगों को देखकर आप भी इंटरमिटेंट फास्टिंग कर रहे हैं तो इससे फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। 8 घंटे के सीमित समय में भोजन करने वाले इस डाइट प्लान से हृदय संबंधी मृत्यु का खतरा 91% बढ़ जाता है। इस बारे में जानने से पहले आइए समझ लेते हैं कि इंटरमिटेंट फास्टिंग आखिर है क्या ?इंटरमिटेंट फास्टिंग एक काफी चर्चित डाइट प्लान है, जिसमें आप दिन के कुछ घंटे खाना खाते हैं और बाकी समय उपवास रखते हैं। ये आपके खाने के शेड्यूल से संबंधित प्लान है। इसका आसान सा नियम है - 16:8 का पालन करना यानी 16 घंटे उपवास और 8 घंटे में भोजन।हार्वर्ड मेडिकल स्कूल 2020 की रिपोर्ट के अनुसार, इंटरमिटेंट फास्टिंग से वजन और पेट की चर्बी कम हो सकती है, ब्लड शुगर और इंसुलिन लेवल कंट्रोल में रहता है और सूजन कम होती है, जिससे बीमारियों का खतरा कम होता है।

हार्ट अटैक और मृत्यु का खतरा

इंटरमिटेंट फास्टिंग से होने वाले फायदों की खूब चर्चा रहती है, हालांकि जर्नल ऑफ अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की एक रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि लंबे समय तक इंटरमिटेंट फास्टिंग हृदय संबंधी मृत्यु जैसे हार्ट अटैक के खतरे को 91% तक बढ़ा सकता है।20,000 से ज्यादा वयस्कों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि जो लोग 8 घंटे के सीमित समय में भोजन करते थे और बाकी समय कुछ नहीं खाते थे उनमें हृदय रोग से मृत्यु का जोखिम 91% अधिक था। पहले से ही हृदय रोग या कैंसर से पीड़ित लोगों में भी हृदय संबंधी मृत्यु का जोखिम और भी बढ़ जाता है।

इंटरमिटेंट फास्टिंग का शरीर पर क्या होता है असर?

चीन स्थित शंघाई जियो टोंग यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में महामारी विज्ञान के प्रोफेसर और शोध के लेखक विक्टर वेन्जे झोंग कहते हैं, इंटरमिटेंट फास्टिंग के दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों को समझने के लिए किए गए अध्ययन में पाया गया है कि यह हृदय रोग के जोखिमों को बढ़ाने वाला हो सकता है। असल में इंटरमिटेंट फास्टिंग के जरिए कैलोरी को कंट्रोल करने का लक्ष्य होता है।

एशिया कप से पहले बीमार पड़े शुभमन गिल? दलीप ट्रॉफी में नहीं लेंगे हिस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली। गिल अगर अनुपस्थित रहे तो उनकी जगह उपकप्तान अमित कुमार टीम की कमान संभाल सकते हैं, जबकि शुभम रोहिला को उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया जाएगा।भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल का दलीप ट्रॉफी में खेलना मुश्किल नजर आ रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल बीमार हो गए हैं जिस कारण वह 28 अगस्त से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में नहीं खेल सकेंगे। गिल को दलीप ट्रॉफी में उत्तरी क्षेत्र की कप्तानी करनी थी, लेकिन उन्होंने ने हाल ही में टीम के फिजियोथेरेपिस्टों द्वारा चिकित्सा मूल्यांकन कराया था, जिसकी रिपोर्ट भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सौंप दी गई है।गिल अगर अनुपस्थित रहे तो उनकी जगह उपकप्तान अमित कुमार टीम की कमान संभाल सकते हैं, जबकि शुभम रोहिला को उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया जाएगा। वहीं, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा, जो भारत

की एशिया कप 2025 टीम का हिस्सा हैं वे यूएई में राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के लिए रवाना होने से पहले केवल पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ शुरूआती मैच में ही खेलेंगे। गुरनूर बरार और अनुज ठकराल को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया है। इंग्लैंड दौरे के बाद गिल को एशिया कप के लिए भारतीय टी20 टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया था। एशिया कप नौ से 28 सितंबर तक यूएई में खेला जाएगा। भारत इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरूआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा। इंग्लैंड दौरे पर गिल का प्रदर्शन शानदार रहा था और उन्होंने पांच टेस्ट मैचों में 75.40 के औसत से 754 रन बनाए थे जिसमें चार शतक भी शामिल हैं। भारत एशिया कप में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगा जहां उसकी नजरें खिताब के बचाव पर टिकी होंगी। भारत का इस दौरान सामना 14 सितंबर को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा और फिर टीम अंतिम ग्रुप चरण के मैच में 19 सितंबर को ओमान का सामना करेगी।

एशिया कप के लिए टीम में श्रेयस के नहीं होने पर टेलर को नहीं हुआ आश्चर्य

बोले- भारत के पास कई विकल्प

एजेंसी

नई दिल्ली। एशिया कप का आयोजन नौ सितंबर से यूएई में होना है और इसके लिए हाल ही में सूर्यकुमार यादव की अगुआई में 15 सदस्यीय भारतीय टीम लिए चुनी गई 15 सदस्यीय टीम के अलावा पांच स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची में भी शामिल नहीं किया गया है। श्रेयस को टीम में शामिल नहीं किए जाने पर मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने भी बयान

घोषित की गई थी। इस टीम का उपकप्तान शुभमन गिल को बनाया गया था, जबकि श्रेयस को जगह नहीं मिली थी।एशिया कप के लिए भारतीय टीम घोषित होने के बाद सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर हुई है कि अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को जगह नहीं दी गई है। कई पूर्व खिलाड़ियों ने जहां इस पर हैरानी जताई है तो वहीं, न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज रॉस टेलर को इस फैसले से आश्चर्य नहीं हुआ है। टेलर का कहना है कि श्रेयस को बाहर रखना यह दशार्ता है कि भारत के पास विकल्प की कोई कमी नहीं है।

स्टैंडबाय खिलाड़ी के तौर पर भी नहीं चुना गया

एशिया कप का आयोजन नौ सितंबर से यूएई में होना है और इसके लिए हाल ही में सूर्यकुमार यादव की अगुआई में 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित की गई थी। इस टीम का उपकप्तान शुभमन गिल को बनाया गया था, जबकि श्रेयस को जगह नहीं मिली थी। श्रेयस को एशिया कप के दिया था। उनका कहना था कि चूंकि उन्हें 15 खिलाड़ी ही चुनने थे, इसलिए श्रेयस को जगह नहीं मिल सकी। अब इसे लेकर टेलर ने भी अपनी राय रखी है।

टेलर ने गिल को सराहा

टेलर ने कहा, 'मैंने अभी तक टीम नहीं देखी है, इसलिए कुछ कह नहीं सकता। जब आप इस तरह के बेहतरीन खिलाड़ी को बाहर रख सकते हैं, तो आपको अपनी टीम में विकल्पों को लेकर काफी सहज होना पड़ेगा।' टेलर ने भारत के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की तारीफ की जिनके नेतृत्व में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी टेस्ट सीरीज को भारतीय टीम ने 2-2 से बराबर किया। उन्होंने कहा, इंग्लैंड के खिलाफ यह एक शानदार सीरीज थी। आप जब भी टेस्ट क्रिकेट को विदेशी परिस्थितियों में खेलते हैं तो आपको दिलेरी से परिस्थितियों का सामना करना होता है। गिल ने शानदार खेल दिखाया और जवाबदेही के साथ नेतृत्व किया। यह शानदार सीरीज थी।

29 अगस्त से अमेरिका जाने वाले पार्सल की आवाजाही रोकेगा डाक विभाग, टैरिफ विवाद के बीच फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका की ओर से टैरिफ शुल्क से जुड़े नियमों में बदलाव के बाद भारतीय डाक विभाग से जुड़ी बड़ी खबर सामने आ रही है। डाक विभाग 29 अगस्त से विभाग अमेरिका जाने वाले पार्सल की आवाजाही अस्थायी रूप निलंबित करेगा। डाक विभाग ने घोषणा की है कि वह 25 अगस्त से अमेरिका के लिए अधिकांश डाक खेपों को अस्थायी रूप से स्वीकार करना बंद कर देगा। ऐसा इस महीने के अंत में लागू होने वाले अमेरिकी शुल्क नियमों में बदलावों के बाद होगा।अमेरिका ने 30 जुलाई को एक आदेश जारी कर 800 अमेरिकी डॉलर तक के मूल्य वाले सामानों के लिए शुल्क-मुक्त छूट वापस ले ली। 29 अगस्त से, अमेरिका को भेजे जाने वाले सभी डाक सामान, चाहे उनका मूल्य कुछ भी हो, अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) टैरिफ ढांचे के तहत सीमा शुल्क आकर्षित करेंगे।केवल 100 अमेरिकी डॉलर तक की उपहार वाली वस्तुएं ही शुल्क मुक्त रहेंगी। आदेश के अनुसार, केवल अंतरराष्ट्रीय वाहक और अमेरिकी सीमा शुल्क की ओर से अनुमोदित अन्य "योग्य पक्ष" ही डाक शिपमेंट पर शुल्क वसूल और भुगतान कर सकते हैं। लेकिन चूंकि इन पक्षों को मंजूरी देने और शुल्क वसूली की प्रक्रिया अभी स्पष्ट नहीं है, इसलिए एयरलाइंनों ने कहा है कि वे 25 अगस्त के बाद अमेरिका

जाने वाले डाक पार्सल नहीं ले जा पाएंगी।इसे देखते हुए, भारतीय डाक 25 अगस्त से अमेरिका के लिए सभी प्रकार की वस्तुओं की बुकिंग निलंबित कर देगा। हालांकि पत्रों, दस्तावेजों और 100 अमेरिकी डॉलर तक के उपहारों को इससे छूट मिलेगी। डाक विभाग ने कहा कि जिन ग्राहकों ने पहले से ही पार्सल बुक कर लिया है और उन्हें भेजा नहीं जा सकता, वे डाक शुल्क वापसी का दावा कर सकते हैं।बयान में कहा गया है, "डाक विभाग ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए गहरा खेद व्यक्त करता है और आश्वासन देता है कि अमेरिका के लिए पूर्ण सेवाएं जल्द से जल्द बहाल करने के लिए सभी संभव उपाय किए जा रहे हैं।"संचार मंत्रालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, डाक विभाग ने 25 अगस्त, 2025 से अमेरिका जाने वाली सभी प्रकार की डाक वस्तुओं की बुकिंग अस्थायी रूप से निलंबित करने का निर्णय लिया है। सिवाय उन पत्रों/दस्तावेजों और उपहार वस्तुओं के जिनका मूल्य 100 अमेरिकी डॉलर तक है। मंत्रालय के अनुसार सीमा शुल्क व सीमा सुरक्षा (सीबीपी) और संयुक्त राज्य डाक सेवा (यूएसपीएस) से आगे स्पष्टीकरण मिलने के बाद, इन छूट प्राप्त श्रेणियों को अमेरिका में स्वीकार और भेजा जाना जारी रहेगा।

केंद्र ने पेपर बोर्ड आयात के लिए तय की एमआईपी, शहद के न्यूनतम निर्यात मूल्य में कटौती

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने कुछ पेपर बोर्ड के लिए न्यूनतम आयात मूल्य निर्धारित किया है। इसके अलावा केंद्र सरकार ने प्राकृतिक शहद के निर्यात के लिए न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) में संशोधन किया है।केंद्र सरकार ने कुछ श्रेणियों के कागज और पेपरबोर्ड की आयात नीति में संशोधन किया है। इसके तहत वर्जिन मल्टी-लेयर पेपर बोर्ड (वीपीबी) पर न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) लागू कर दिया गया है।विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा 22 अगस्त को जारी अधिसूचना के अनुसार, ल्र्र कोड 48059100, 48059200, 48059300, 48109200 और 48109900 के तहत आने वाले श्ढइ के आयात पर अब प्रति मीट्रिक टन ?67,220 का न्यूनतम आयात मूल्य लागू होगा। यह मूल्य लागत, बीमा और भाड़ा (उक्र्र) आधार पर निर्धारित किया गया है। डीजीएफटी ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था 31 मार्च 2026 तक प्रभावी रहेगी।भारतीय कागज निमार्ता संघ ने घरेलू उद्योग ने व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) को इंडोशियन में उत्पन्न या वहां से निर्यात किए जाने वीपीबी के आयात के संबंध में एंटी डंपिंग जांच शुरू करने के लिए आवेदन किया था। एसोसिएशन ने आरोप लगाया था कि इंडोनेशिया से डंप किए गए आयात के कारण घरेलू उद्योग को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने उत्पाद के आयात पर एंटी-डंपिंग शुल्क लगाने का भी अनुरोध किया था।वर्जिन मल्टी-लेयर पेपर बोर्ड का उपयोग फार्मास्यूटिकल्स, एफएमसीजी उत्पादों, खाद्य और पेय पदार्थ, इलेक्ट्रॉनिक्स, उच्च श्रेणी के सौंदर्य प्रसाधनों और शराब की पैकेजिंग, तथा पुस्तक कवर, प्रकाशन आदि में किया जाता है।इसके अलावा केंद्र सरकार ने प्राकृतिक शहद के निर्यात के लिए न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) में संशोधन किया है। डीजीएफटी की अधिसूचना में, एचएस कोड 04090000 के तहत प्राकृतिक शहद के लिए एमईपी को 2,000 डॉलर प्रति मीट्रिक टन से घटाकर 1,400 डॉलर प्रति मीट्रिक टन (फ्री ऑन बोर्ड) कर दिया गया है।

डुडा के खिलाफ हारने से बचे विश्व चैंपियन गुकेश, प्रज्ञानंद ने भी लाग्रेव से ड्रॉ खेली बाजी

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के फेबियानो कारूआना ने 3.5 अंक के साथ एकल बढ़त बना ली है। प्रज्ञानंद दूसरे और आरोनियन तीसरे स्थान पर हैं जबकि गुकेश, फिरोजा, वेसली, सेवियान और वाचियेर लाग्रेव 2.5 अंक लेकर संयुक्त चौथे स्थान पर हैं।विश्व चैंपियन भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश सिनक्यूफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट में पोलैंड के डुडा जान क्रिस्टोफ के खिलाफ हारने से बाल-बाल बचे और उन्हें अंक बांटने पर मजबूर होना पड़ा। वहीं, पांचवें दौर में एक अन्य भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने भी फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव से ड्रॉ खेला।

दोस्ताना मैच खेलने केरल आएंगे मेसी, नवंबर में होगा मुकाबला; राज्य के खेल मंत्री ने की पुष्टि

एजेंसी

नई दिल्ली। केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने शनिवार को इस बात की पुष्टि कर दी है कि अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम इस साल नवंबर में दोस्ताना मुकाबले के लिए केरल का दौरा करेगी। दिलचस्प बात यह है कि इस टीम में स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी भी शामिल होंगे। अब्दुरहीमान अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) की घोषणा के

बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने बताया था कि मैनेजर लियोनेल स्कोलोनी के नेतृत्व में उनकी राष्ट्रीय टीम लुआंडा, अंगोला और केरल में दोस्ताना मैच खेलेगी। अब्दुरहीमान ने कहा कि राज्य ने शुरू में एएफए से इस साल अक्तूबर या नवंबर में मैच आयोजित करने का अनुरोध किया था।अब्दुरहीमान ने कहा, शुरूआत में एएफए ने इस मैच को 2026 के लिए निर्धारित किया था। हालांकि हमने उनसे संपर्क किया और अनुरोध किया कि वे इस साल केरल में मैच आयोजित करें। अब एएफए ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि कर दी है। हमारा इरादा 2022 विश्व कप जीतने वाली अर्जेंटीना टीम को भारत लाने का है। अर्जेंटीना फुटबॉल टीम को केरल लाने के लिए काफी प्रयास किए गए हैं। हमने बाकी व्यवस्थाओं की योजना बनाना शुरू कर दिया है और जल्द ही मुख्यमंत्री के साथ आयोजन स्थल सहित अन्य विवरणों पर चर्चा करेंगे।केरल के खेल मंत्री ने कहा कि राज्य के लाखों फुटबॉल प्रशंसक इस मैच का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा इरादा केरल में प्रशंसकों को मेसी को खेलते देखने का एक मंच प्रदान करना है।' मंत्री ने आगे कहा कि केंद्रीय खेल मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक ने इस आयोजन को मंजूरी दे दी है और इस संबंध में एक सरकारी आदेश जारी कर दिया गया है।

कौन हैं सर्जियो गोर?

भारत में अमेरिका के नए राजदूत नियुक्त; मस्क ने इन्हें बताया था 'सांप'

एजेंसी

नई दिल्ली। ट्रंप ने भले ही सर्जियो गोर के नाम का एलान कर दिया है, लेकिन अभी गोर को सीनेट की मंजूरी भी लेनी होगी और जब तक उन्हें मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक गोर अपने मौजूदा पद पर बने रहेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने करीबी सर्जियो गोर (38 वर्षीय) को भारत में अमेरिका का नया राजदूत नियुक्ति किया है। सर्जियो गोर अभी व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति निजी कार्यालय के निदेशक पद पर तैनात हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को एक सोशल मीडिया में गोर को करीबी दोस्त बताया और कहा कि गोर कई वर्षों से मेरे साथ हैं। पोस्ट में ट्रंप ने लिखा कि 'मुझे ये बताते हुए खुशी हो रही है कि मैं सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका का अगला राजदूत नियुक्त कर रहा हूं।'ट्रंप ने कहा कि सर्जियो गोर दक्षिण और मध्य एशिया मामलों के भी विशेष प्रतिनिधि होंगे। सर्जियो गोर की भारत में राजदूत के रूप में तैनाती ऐसे समय हो रही है, जब टैरिफ के चलते भारत और अमेरिका के संबंधों में थोड़ी खटास महसूस की जा रही है। ट्रंप ने कहा कि गोर और उनकी टीम ने विभिन्न संघीय विभागों और एजेंसियों में करीब 4 हजार अधिकारियों की तैनाती की है और 95 प्रतिशत पद अब भर चुके हैं। ट्रंप ने भले ही सर्जियो गोर के नाम का एलान कर दिया है, लेकिन

अभी गोर को सीनेट की मंजूरी भी लेनी होगी और जब तक उन्हें मंजूरी नहीं मिल जाती, तब तक गोर अपने मौजूदा पद पर बने रहेंगे। ट्रंप के राष्ट्रपति पद के चुनाव अभियान में भी सर्जियो गोर की भूमिका अहम रही थी और गोर ने ट्रंप का सबसे बड़ा चुनावी अभियान सफलतापूर्वक संचालित किया था। सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने लिखा कि 'दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाले हिस्से में, मैं चाहता हूं कि कोई ऐसा हो, जिस पर मैं पूरी तरह से विश्वास कर सकूं और अपने एजेंडा को आगे बढ़ा सकूं ताकि अमेरिका को फिर से महान बनाया जा सके। सर्जियो एक शानदार राजदूत साबित होंगे। उन्हें बधाई।' वहीं सर्जियो गोर ने भी अपनी नई जिम्मेदारी पर खुशी जाहिर की और कहा कि यह उनकी जिंदगी की अभी तक की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी। गोर एरिक गासेर्टी की जगह लेंगे, जिन्होंने मई 2023 से लेकर जनवरी 2025 तक भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में जिम्मेदारी निभाई।एक समय ट्रंप के करीबी रहे दिग्गज उद्योगपति एलन मस्क ने सर्जियो गोर को सांप कहा था। दरअसल मस्क के सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख रहते हुए एलन मस्क और सर्जियो गोर में तनातनी की खबरें सामने आईं थी। जून 2025 में एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में सर्जियो गोर को सांप कहकर उनकी आलोचना की थी। मस्क का यह पोस्ट उन मीडिया रिपोर्ट्स के बाद सामने आया था, जिनमें दावा किया गया था कि सर्जियो गोर ने व्हाइट हाउस में तैनाती के बावजूद अभी तक अपना सिक्योरिटी क्लीयरेंस पूरा नहीं किया है। हालांकि व्हाइट हाउस ने बताया कि गोर सिक्योरिटी क्लीयरेंस पूरा कर चुके हैं।

ट्रंप की कठोर नीति के चलते अमेरिका में कम हुई अप्रवासी आबादी

एजेंसी

नई दिल्ली। रिपोर्ट में बताया गया कि 'अमेरिका में कामकाजी उम्र के लोगों

की आबादी नहीं बढ़ रही है। इसका मतलब है कि कार्यबल में वृद्धि का एकमात्र तरीका नए प्रवासियों का आना है। अगर कार्यबल नहीं बढ़ता है, तो अर्थव्यवस्था के लिए मुश्किलें खड़ी होंगी।'अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का अप्रवासियों के खिलाफ सख्त रुख रहा है। इसके चलते ट्रंप प्रशासन में बड़े पैमाने पर अवैध अप्रवासियों को निर्वासित किया गया और सीमा पर सख्ती की गई। अब उनकी कठोर नीतियों का असर दिखना भी शुरू हो गया है। दरअसल अमेरिका में रहने वाले अप्रवासियों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। प्यू रिसर्च सेंटर के एक ताजा अध्ययन के अनुसार, अमेरिका में जनवरी 2025 से लेकर जून 2025 के बीच अप्रवासियों की संख्या में करीब 15 लाख की कमी दर्ज की गई है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार अमेरिका में आप्रवासियों की कुल संख्या इस साल की शुरूआत में 5.33 करोड़ थी, जो अब घटकर लगभग 5.19 करोड़ रह गई है। प्यू रिसर्च सेंटर की यह रिपोर्ट गुरुवार को जारी की गई। प्यू रिसर्च सेंटर के वरिष्ठ जनसांख्यिकीविद् जेफरी पासेल ने मीडिया को बताया, 'हम जिस डेटा पर गौर कर रहे हैं, वह एक नाटकीय बदलाव दशार्ता है।' इस गिरावट का असर श्रम बाजार पर भी पड़ रहा है। प्यू रिसर्च सेंटर के अनुसार, आप्रवासियों की संख्या में कमी के कारण कार्यबल ने 7,50,000 से ज्यादा कर्मचारियों को खो दिया है।रिपोर्ट में पासेल के हवाले से बताया गया कि 'अमेरिका में कामकाजी उम्र के लोगों की आबादी नहीं बढ़ रही है। इसका मतलब है कि कार्यबल में वृद्धि का एकमात्र तरीका नए प्रवासियों का आना है। अगर कार्यबल नहीं बढ़ता है, तो अर्थव्यवस्था के लिए मुश्किलें खड़ी होंगी।'पासेल ने कहा कि आप्रवासी आबादी में भारी गिरावट अभूतपूर्व है। दिलचस्प बात ये है कि अमेरिका में अवैध अप्रवासियों की संख्या में भी गिरावट आनी शुरू हो गई है। साल 2023 में यह आंकड़ा 1.4 करोड़ था। अमेरिका में अप्रवासियों की संख्या में गिरावट आई है, लेकिन अभी भी दुनिया में सबसे ज्यादा अप्रवासी आबादी अमेरिका की ही है। अमेरिका की कुल आबादी में अप्रवासियों की जनसंख्या का प्रतिशत 15.8 प्रतिशत था, जो अब घटकर 15.4 प्रतिशत रह गया है। टेक्सास और कैलिफोर्निया में सबसे ज्यादा अप्रवासी आबादी रहती है।

हसीना के बयानों को प्रसारित न करने की चेतावनी, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने मीडिया को चेताया है कि वे अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के किसी

भी बयान या ऑडियो का प्रसारण या प्रकाशन न करें। सरकार ने इसे आतंकवाद विरोधी कानून 2009 का उल्लंघन बताते हुए कहा कि आदेश की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल हसीना अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में कई मामलों का सामना कर रही हैं।बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने शुक्रवार को मीडिया संस्थानों को अवामी लीग की नेता व अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के किसी भी बयान का प्रसारण या प्रकाशन न करने की चेतावनी दी है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के प्रेस विंग ने कहा, हम हसीना की बातों और बयानों को फैलाने वाले और भविष्य में ऐसा करने की मंशा रखने वाले मीडिया को चेता रहे हैं कि हम उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।उन्होंने कहा, टेलीविजन चैनलों, समाचार और ऑनलाइन पोर्टलों पर हसीना के ऑडियो चलाना आतंकवाद विरोधी कानून 2009 का उल्लंघन है। इसमें हसीना को एक दोषी अपराधी व सामूहिक हत्याओं और मानवता के खिलाफ अपराधों का भगोड़ा आरोपी बताया गया है। हसीना को को पांच अगस्त 2024 को सड़क आंदोलनों के बाद सत्ता से हटाया गया था। वे इस समय अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में कई केस का सामना कर रही हैं, हालांकि अभी सजा नहीं हुई है।

गौरतलब है कि बीते साल जुलाई 2024 में हुए जनविद्रोह के बाद शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। इस जनविद्रोह में बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया था। अंततः 5 अगस्त 2024 को हसीना सरकार गिर गई और वह भारत चली गईं।

भारत संग बिगड़ते रिश्ते पर एक और पूर्व अमेरिकी अधिकारी की ट्रंप को लताड़; आईना दिखाकर दी नसीहत

एजेंसी

नई दिल्ली। रूस से तेल खरीदने पर ट्रंप ने भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाए हैं,

जिससे कुल टैरिफ 50 फीसदी हो गया है। भारत के साथ बिगड़ते रिश्ते पर पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने चिंता जताई है। भारत पर 50 फीसदी लगाने और बिगड़ते रिश्ते पर एक और पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लताड़ लगाई है। ओबामा प्रशासन में विदेश मंत्री रहे जॉन केरी ने कहा कि किसी कूटनीतिक प्रयास के बिना अल्टीमेटम देना कोई महानता नहीं है।

इराक में कुर्द नेता की गिरफ्तारी के बाद तनाव, सुलेमानिया में झड़पें; पांच लोगों की मौत, 18 घायल

एजेंसी

नई दिल्ली। इराक के कुर्दिश क्षेत्र में कुर्द नेता लहुर शेख जंगी तालाबानी की गिरफ्तारी के बाद सुलेमानिया में गुरुवार रात भारी झड़पें हुईं। गोलीबारी और हथियारों के इस्तेमाल से कम से कम 5 लोगों की मौत और 18 घायल हो गए। हालात तनावपूर्ण हैं और राजनीतिक संघर्ष अब सड़कों पर पहुंच गया है।इराक के उत्तरी कुर्दिश स्वायत्त क्षेत्र में राजनीतिक तनाव अब खुले संघर्ष में बदल चुका है। पूर्व राष्ट्रपति जलाल तालाबानी के भतीजे और प्रभावशाली नेता लहुर शेख जंगी तालाबानी की गिरफ्तारी ने पूरे सुलेमानिया शहर को हिंसा की आग में झोंक दिया। गुरुवार रात छिड़ी भारी झड़पों में गोलियां चलीं और सड़कों पर खून संघर्ष देखने को मिला, जिसमें कम से कम पांच लोग मारे गए और 18 से ज्यादा घायल हो गए। बता दें कि यह झड़पें गुरुवार देर रात तब शुरू हुईं जब सुरक्षा बलों ने देश के आतंकवाद विरोधी कानून के तहत लहुर शेख जंगी तालाबानी को गिरफ्तार करने के लिए एक बड़ा अभियान चलाया। लहुर, दिवंगत राष्ट्रपति जलाल तालाबानी के भतीजे हैं और पहले पट्रियोटिक यूनियन ऑफ कुर्दिस्तान (पीयूके) पार्टी के सह-प्रमुख रह चुके हैं।वहीं मामले में पीयूके के अधिकारी बुरहान शेख रऊफ ने बताया कि लहुर तालाबानी सरकार के खिलाफ साजिश रच रहे थे और पार्टी की सशस्त्र इकाई को खत्म करने के प्रयासों के तहत यह कार्रवाई की गई। गिरफ़्तारी के विरोध में लहुर तालाबानी के समर्थकों ने सुरक्षा बलों पर हमला कर दिया, जिससे दोनों पक्षों में भीषण झड़पें हुईं। इस अभियान में तीन सुरक्षा कर्मियों और पीपल्स फ्रंट पार्टी के दो सदस्यों की मौत हुई। लहुर को रविवार को अदालत में पेश किया जाएगा, क्योंकि शुक्रवार और शनिवार को सरकारी दफ्तर बंद रहते हैं।

ताइवान में जनमत संग्रह चुनाव, विपक्षी सांसदों की बर्खास्तगी और परमाणु ऊर्जा के मुद्दे पर हो रहा मतदान

एजेंसी

नई दिल्ली। नेशनलिस्ट पार्टी ने एक तीसरी पार्टी, ताइवान पीपुल्स पार्टी के साथ मिलकर परमाणु ऊर्जा संबंधी एक विधेयक पारित किया है, जिससे सत्तारूढ़

डीपीपी काफी चिंतित है।ताइवान में शनिवार को रिकॉल वोटिंग (जनमत संग्रह चुनाव) हो रही है। यह मतदान सात विपक्षी सांसदों की विधायिका से बर्खास्तगी और परमाणु ऊर्जा की वापसी पर फैसला लेने के लिए हो रहा है। ताइवान में आखिरी चालू परमाणु रिएक्टर भी पांच महीने पहले बंद हो गया था। हालांकि अब फिर से परमाणु रिएक्टर को शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। एक महीने में दूसरी बार हो रही ये रिकॉल वोटिंग सत्ताधारी पार्टी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के लिए सत्ता पर नियंत्रण पाने का भी मौका है, क्योंकि 2024 के चुनाव में डीपीपी ने बहुमत खो दिया था। हालांकि इसकी संभावना कम ही है क्योंकि जुलाई में हुए पहले रिकॉल मतदान में विपक्षी नेशनलिस्ट पार्टी खुद को बचाने में कामयाब रही थी। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी ने साल 2024 में राष्ट्रपति पद जीता, लेकिन 113 सीटों वाली विधायिका में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला। नेशनलिस्ट, जिसे कुओमिन्तांग या केएमटी के नाम से भी जाना जाता है, ने 52 सीटें जीतीं, जो डीपीपी से एक ज्यादा है। नेशनलिस्ट पार्टी ने एक तीसरी पार्टी, ताइवान पीपुल्स पार्टी के साथ मिलकर परमाणु ऊर्जा संबंधी एक विधेयक पारित किया है, जिससे सत्तारूढ़ डीपीपी काफी चिंतित है।दरअसल डीपीपी परमाणु ऊर्जा को चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर रही है, जो कभी ताइवान को लगभग 20 प्रतिशत बिजली आपूर्ति करती थी। ताइवान के तीन परमाणु संयंत्रों में से अंतिम चालू रिएक्टर 40 वर्षों की सेवा के बाद मई में बंद कर दिया गया था।

लेकिन उसी महीने, विधायिका ने नेशनलिस्ट पार्टी के समर्थन से, परमाणु ऊर्जा के विस्तार पर जनमत संग्रह कराने के ताइवान पीपुल्स पार्टी के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। जनमत संग्रह में मतदाताओं से पूछा जा रहा है कि क्या हाल ही में बंद हुए परमाणु संयंत्र को चालू रहना चाहिए, बशर्ते नियामक इस बात पर सहमत हों कि ऐसा करना सुरक्षित है। मानशान संयंत्र, जिसे आमतौर पर तीसरा परमाणु ऊर्जा संयंत्र कहा जाता है, ताइवान के दक्षिणी सिरे के पास है।परमाणु ऊर्जा के समर्थकों का कहना है कि इससे बिजली के बिल कम होंगे और कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोगों से बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। अमेरिकी चिप दिग्गज कंपनी एनवीडिया के ताइवान में जन्मे संस्थापक जेन्सेन हुआंग ने भी परमाणु ऊर्जा का समर्थन किया।

शिक्षा की गुणवत्ता पर जोर, शिशु शिक्षा समिति गोरक्ष प्रांत की बैठक सम्पन्न

गोरखपुर। शिशु शिक्षा समिति, गोरक्ष प्रांत के संयोजकों एवं प्रांत प्रमुखों (आयाम) की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को सरस्वती शिशु मंदिर, पक्कीबाग गोरखपुर में सम्पन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे कार्यों की समीक्षा करना और भविष्य की रणनीति तय करना रहा। बैठक के मुख्य अतिथि विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्रीय मंत्री डॉ. सौरभ मालवीय रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ह्यशिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखना और उसे निरंतर बेहतर बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमें बच्चों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए नवाचार और समर्पित प्रयास करने होंगे। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया तथा आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर चर्चा की। साथ ही संगठन के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु सामूहिक प्रयास और नई कार्यप्रणालियों पर भी विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना से हुआ। तत्पश्चात प्रधानाचार्य डॉ. राजेश सिंह ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया। बैठक के अंत में सभी पदाधिकारियों ने डॉ. मालवीय के विचारों का स्वागत किया और शिक्षा क्षेत्र में और अधिक लगन से कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर समिति मंत्री डॉ. शैलेश सिंह, प्रदेश निरीक्षक राम सिंह एवं जियालाल, संभाग निरीक्षक कन्हैया चौबे, दिवाकर राम त्रिपाठी सहित समस्त विषय संयोजक एवं प्रांत प्रमुख उपस्थित रहे।

नालियों में भरी गंदगी से फैली दुर्गंध, महामारी का मंडरा रहा खतरा

स्वदेशी इनक्रेडिबल

प्रयागराज। नगर पंचायत शंकरगढ़ के वार्ड नम्बर 3 सिंधी टोला के वार्डवासियों ने नालियों में गंदगी भरने और सफाई व्यवस्था की बदहाली को लेकर कड़ा आक्रोश जताया है। लोगों का कहना है कि नालियों की सफाई कभी नहीं होती, जिसके कारण मोहल्ले में दुर्गंध फैल रही है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। वार्डवासियों ने बताया कि अनीस खान और विद्यार्थी बहन जी के घर के सामने बनी नालियों में लंबे समय से गंदगी जमी हुई है। कई बार नगर पंचायत अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। अधिकारी केवल आश्वासन देकर टाल देते हैं।

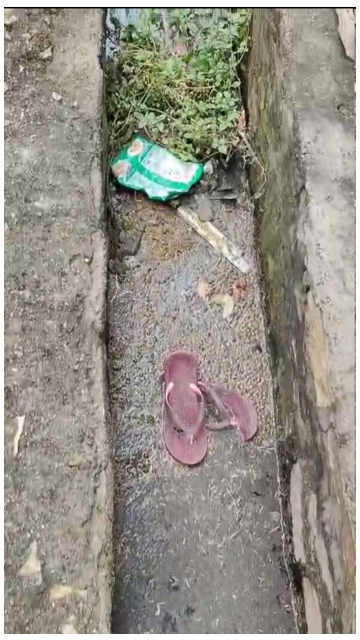

कैसे फैल रही है गंदगी और जलभराव

लोगों का कहना है कि वार्ड में कई घरों में पालतू जानवर जैसे बकरी आदि पाले जाते हैं। इनसे निकलने वाली गंदगी को घरों के सामने ही बोरिंग के प्रेशर से बहा दिया जाता है, जिससे नालियों में जलभराव और गंदगी इकट्ठी हो जाती है। इसके चलते बदबू के साथ मलेरिया, टाइफाइड जैसी गंभीर बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। वार्डवासियों ने नगर पंचायत चेयरमैन और जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की है कि नालियों की नियमित सफाई कराई जाए। साथ ही, ऐसे पालतू जानवर पालने वालों के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जाए ताकि वे नालियों में गंदगी न बहाएं।

हत्यारों के खिलाफ गुस्सा, आदित्य वर्मा की आत्मा की शांति हेतु कैंडल मार्च

स्वदेशी इनक्रेडिबल

गाजीपुर। शनबीम स्कूल में छात्र आदित्य वर्मा की हुई हत्या के विरोध में जंगीपुर बाजार में आज शाम ऑल इंडिया स्वर्णकार समाज एसोसिएशन एवं व्यापार मण्डल के

सौजन्य से एक कैंडल मार्च निकाला गया। जुलूस में शामिल लोगों ने "स्कूल प्रशासन मुदार्बाद", "आदित्य के हत्यारों को फांसी दो", "स्कूल की मान्यता रद्द करो" जैसे नारे लगाकर अपना गुस्सा जाहिर किया। पूरे जुलूस के दौरान हत्यारों के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। यह कैंडल मार्च यादव मोड़ से प्रारंभ होकर मुख्य बाजार होते हुए यूनियन बैंक के पास पहुंचा, जहाँ शोक सभा का आयोजन किया गया। लोगों ने मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। कैंडल मार्च एवं शोकसभा में डॉ. डी. के. वर्मा, विनोद वर्मा, अभिमन्यु सिंह, लाल जी गुप्ता, श्यामबली मद्धेशिया, पंकज गुप्ता, जितेंद्र गुप्ता, रामकुमार वर्मा, रामजी वर्मा, बेचन वर्मा, विजय वर्मा, राजेश वर्मा, अभिनय जायसवाल, राजकुमार वर्मा, राजेश कशोधन सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

कर्मचारियों के लिए सेतु की भूमिका निभाऊगा : बृजेश पाठक

लोक निर्माण विभाग मिनिस्टीरियल एसोसिएशन का 41 वॉ द्विवार्षिक अधिवेशन

लखनऊ(संवाददाता)। उ.प्र. लोक निर्माण विभाग मिनिस्टीरियल एसोसिएशन का 41 वॉ द्विवार्षिक अधिवेशन का रवीन्द्रालय प्रेक्षागष्ह में उद्घाटन प्रदेश के

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि केन्द्र में मोदी जी और राज्य में योगी जी के नेतष्त्व में सरकार सर्व समाज के लिए काम कर रही है। देश विकास के पथ पर अग्रसर है। मिनिस्टीरियल संवर्ग की भूमिका कई मायनों में काफी महत्वपूर्ण है। आपके मांग पत्र को आज ही वाट्सअप तथा व्यक्तिगत रूप से पहुचने तथा इनके निराकरण के लिए मैं सेतु की भूमिका निभागऊगा। आपके अधिवेशन की सफलता की कामना करता हूॅ। अधिवेशन में उ.प्र. लोक निर्माण विभाग मिनिस्टीरियल एसोसिएशन के प्रदो अध्यक्ष पद्मनाभ त्रिवेदी, महामंत्री जे.पी. पाण्डेय और वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेमंत गुर्जर ने उन्हें सात सूत्रीय मांग पत्र सौपा। अधिवेशन को सम्बोधित करते हुए प्रमुख अभियंता विकास एवं विभागाध्यक्ष इं. ए.के. द्विवेदी ने कहा कि संगठन जातिपाति से उपर उठकर बनता है। संगठन व्यक्ति हित के लिए नही समाज हित के लिए बनाया जाता है। हमारी पहचान हमारे कर्मों से होती है। कर्म हमें यश और सम्मान दिलाते है। मै वचन देता हूॅ कि आपकों मेरे स्तर पर कभी निराशा हाथ नहीं लगेगी। मेरे स्तर पर कभी कोई काम नही रूकेगा। अधिवेशन के दौरान एसोसिएशन ने उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और प्रमुख अभियंता विकास एवं विभागाध्यक्ष के दिए मांग पर में प्रशासनिक अधिकारी से वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकरी के शेष 34 पदो की स्वीकृति शीघ्र दिलाने की कार्यवाही करायी किए जाने सहित सॉत मांगें रखी। मांग पत्र में शासन स्तर पर संघ द्वारा करायी ग्रीवान्स की बैठक 13 अगस्त 2024 में लिए गए निर्णय का क्रियान्वयन कराये जाने,खण्डीय सहायकों के प्रशासनिक आधार पर किये जा रहे स्थानान्तरण शासन द्वारा निर्धारित मानको का अनुपालन नहीं किया जाता है, शासन द्वारा जारी निदेशों का कड़ाई से पालन कराने की मांग रखी गई।

खण्डीय सहायकों के कनिष्ठ सहायकों का ग्रेड पे 4200 लेवल 6 वेतनमान 35400-112400 और लोक निर्माण विभाग के विभागीय निरीक्षण भवनों में मिनिस्टीरियल सदस्यों को भी ठहरने की अनुमति, मिनिस्टीरियल सम्वर्ग हेतु जनपदों में विभागीय आवास तथालोक निर्माण विभाग प्रदेश का सबसे महत्वपूर्ण एवं पुराना विभाग है, तमाम जनपदों में कार्यालय भवन जर्जर अवस्था में है। संघ की मशा है कि विकास भवन की तर्ज पर एकीकृत बहुमंजिला निर्माण भवन बनाया जाए।अधिवेशन को राष्ट्रीय अध्यक्ष एनएएमओपीएस डा. मन्जीत पटेल, संरक्षक सुरेन्द्र लाल श्रीवास्तव, बष्ज लाल तिवारी ने सम्बोधित करते हुए।

खाद की कालाबाजारी को लेकर आप कार्यकर्ताओं का हल्लाबोल प्रदर्शन

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। खाद की समस्याओं को लेकर नारेबाजी करते हुए कार्यकताओं ने जिला कलेक्ट्रेट का घेराव किया। कार्यकताओं ने घेराव से पहले विरोध मार्च निकाला। इस दौरान कार्यकताओं और पुलिस में जमकर धक्का-मुक्की हुई। आप की जिलाध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि किसानों के हित में सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं। यह सरकार किसान विरोधी है। बड़े पैमाने पर खाद की कालाबाजारी हो रही है जिसे सरकार रोक पाने में असमर्थ है। लगातार खाद केंद्रों पर पूरे प्रदेश में किसानों की लंबी लाइन लगी हुई है। महिलाएं घर परिवार छोड़ कर लाइनों में लगने पर मजबूर हैं। किसान अन्नदाता होने के बाद भी उसे अपनी मूलभूत जरूरत के लिए दिन-रात संघर्ष करना पड़ता है।

पहली से 10 रबी उल अव्वल अशरा रहमत मनाया जाये: खालिद रशीद

लखनऊ(संवाददाता)। माहे रबी उल अव्वल की तैय्यारियों के सिलसिले में एक मीटिंग इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया में

इमाम ईदगाह लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली चेयरमैन इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई। मीटिंग में यह निर्णय लिया गया कि हर साल की तरह इस साल भी पहली तारीख से 10 रबी उल अव्वल तक इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया की निगरानी में ऑल इण्डिया सुन्नी बोर्ड शहर की विभिन्न मस्जिदों और मोहल्लों में अशरा रहमत का आयोजन करेगा। इस का बुनियादी मकसद यह है कि नबी पाक सल्ल0 की सीरत से लोगों को अवगत कराया जाए और आप सल्ल0 के पैगाम-ए-रहमत को घर घर पहुंचाने की कोशिश की जाए। मीटिंग को सम्बोधित करते हुए मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि 24 अगस्त 2025 को चॉद देखने का एहतिमाम किया जायेगा उस दिन चॉद हो जाता है तो पहली रबी उल अव्वल 25 अगस्त को वरना 26 अगस्त 2025 को होगी और मीलादुन्नबी सल्ल0 05 सितम्बर या 06 सितम्बर 2025 को होगा। उन्होने अवाम से अपील की कि 11 रबी उल अव्वल की रात में होने वाले जश्न रहमतुल लिल आलमीन के जलसों को आयोजित करें और उनमें बड़ी सख्या में शरीक हों।

Aware of rare earth shortages, critical minerals mission to address it: PM Modi

Hansalpur | Acknowledging the ongoing shortage of rare earth materials faced by India's automobile industry, Prime Minister Narendra Modi said that the government was working towards building national capacity in critical minerals and would soon launch exploration missions. "I'm aware of the rare earth materials shortage, and we are trying to address it with the critical minerals mission. There will be exploration at more than 1,200 sites for critical minerals," PM Modi said. He also green flagged Maruti Suzuki's first battery electric vehicle, the eVitara, which will be made in the company's Gujarat plant and exported to over a 100 countries. The PM's comments on the rare earth materials shortage come as automakers are feeling the heat of Chinese curbs on the crucial minerals. The Indian Express earlier reported that Royal Enfield has tried out a temporary hack for its gear position sensor as the global shortages bite, exposing vulnerabilities in vehicle supply chains. Other automakers too are cutting down on certain non-essential equipment in their vehicles to reduce the usage of rare earth materials as uncertainty over China's green light to export the key materials looms. Despite ongoing supply chain disruptions, policies made by the Indian government in the past decade are proving useful, the PM said. "In 2014, we started working on it, our goal of Make in India and how we can create a conducive environment for global and domestic investors," he said. The land for Maruti Suzuki's plant in Gujarat's Hansalpur was allotted to the company in 2012, when Modi was Chief Minister of the state. "Our efforts from that time are playing a big role in fulfilling the nation's dreams… Suzuki, a Japanese company, is making its cars in India and exporting them to Japan… India has the power of democracy, the advantage of demography and a big pool of skilled workforce, which makes global companies trust India," the PM said. The PM also urged state governments to step up their reform process and increase ease of doing business to attract investors. "I want states to be proactive, pro development policies and reforms… The faster a state makes its policies neat and clean, with no ifs and buts, it will help investors' confidence… I call on states to compete on reforms and good governance," Modi said.

Justice Nagarathna dissents on Pancholi's elevation to Supreme Court by Collegium

New Delhi | The Supreme Court Collegium's decision Monday recommending the elevation of Patna High Court

Chief Justice Vipul Manubhai Pancholi for appointment as judge of the top court was not unanimous, The Indian Express has learnt. Justice B V Nagarathna, one of the five judges in the Collegium, has recorded a dissent in recommending Justice Pancholi, citing his overall seniority and regional representation. Justice Pancholi currently ranks 57th in the All-India List of Seniority of High Court judges. Besides CJI Bhushan R Gavai, the Collegium comprises Justices Surya Kant, Vikram Nath, JK Maheshwari and Nagarathna. The Supreme Court has routinely underlined three factors as its selection criteria – the combined seniority on an all-India basis of Chief Justices and Judges of High Courts, the principle of representation, and 'merit and integrity'. In the past, these factors have been "balanced" to recommend a HC judge for appointment. Especially, in the appointment of candidates who are likely to become CJI, seniority is bypassed to ensure the line of succession. Sources said Nagarathna's concerns were about recommending one more judge from the Gujarat High Court, less than three months after Justice NV Anjaria, also from the same high court, was appointed to the Supreme Court. In May, when Justice Pancholi's candidature first came up for discussion, at least two judges in the Collegium had expressed concerns on his lack of seniority. His recommendation would have meant bypassing those who were senior to him at the Gujarat HC including Justice Anjaria. Sources said that to address the concerns on seniority, the Collegium instead recommended Justice Anjaria and Justice Pancholi was appointed the Chief Justice of the Patna HC. However, when his name came up again, Justice Nagarathna is learnt to have raised questions again, this time focusing on the over-representation of Gujarat HC in the SC. If Justice Pancholi were to be appointed, the Supreme Court would have three judges from the Gujarat High Court – Justices JB Pardiwala, Anjaria and Pancholi. Both Justices Pardiwala and Pancholi would be in the line of succession as Chief Justices of India in 2028 for a period of two years and in 2031 for a period of seven months, respectively. Till May, the Supreme Court had three judges from the Gujarat HC – Justices Pardiwala, MR Shah and Bela Trivedi. While Justice Shah retired in May, Justice Trivedi's last working day was May 16. There are also three judges each from the Bombay High Court, Allahabad HC and the Punjab and Haryana HC. The Supreme Court has a sanctioned strength of 34 judges, and the sanctioned strength of each HC is taken into consideration to ensure adequate regional representation.

'Trial courts consistently failing to perform their duties as a judge': Madhya Pradesh HC overturns POCSO conviction

Bhopal | Overturning a conviction passed by a trial court under the Protection of Children from Sexual Offences (POCSO) Act, the Madhya Pradesh High Court observed that "trial courts are consistently failing to perform their duties as a judge". The High Court noted that the lower court had "committed several irregularities" in the case. It was hearing an appeal filed by a man who was sentenced to 20 years' rigorous imprisonment by a special judge in a POCSO case. The High Court Bench of Justices Vivek Agarwal and Avanindra Kumar Singh said that "despite regular training in the Madhya Pradesh State Judicial Academy, learned trial courts are consistently failing to perform their duties as a judge". The appellant in the case said that he had a consensual physical relationship with the alleged victim and that she was not a minor at the time of the incident. Her statement had also said that 10 days before the incident, the man had proposed marriage to her, which she accepted, and then they travelled to Hyderabad and performed the rituals at a Durga temple. The appellant argued that the woman was an adult and that the prosecution did not exhibit the X-ray report, which "reflects towards

the intellectual dishonesty of the prosecution". The court noted that the X-ray report was not exhibited and said the trial court failed to take "cognizance of ossification test report available on record and, secondly, it did not pose questions under Section 313 of Cr.P.C.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।